प्रेस नोट

भूकम्प विषय पर होनेवाले मॉक एक्सरसाईज को लेकर हुई बैठक
मॉक एक्सरसाईज की उपयोगिता और टेबल टॉप एक्सरसाईज पर ब्यौरेवार हुई चर्चा

दीव, दिनांक 16/03/2021 :- एनडीआएफ-06 बटालियन, वडोदरा द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से दीव जिले में 17 मार्च को भूकम्प विषय पर किए जानेवाले संयुक्त मॉक एक्सरसाईज से पूर्व आज दीव समाहर्ता एवं जिलाधीश, सलोनी राय की अध्यक्षता में बैठक हुई। इस बैठक में पुलिस अधीक्षक, अनुज कुमार, जिला पंचायत के मुख्य अधिकारी वैभव रिखारी, एनडीआरएफ -06 बटालियन के उप निदेशक हिमांशु वडोला, केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षाबल के कासो, कार्यपालक अभियंता, दीव जिला स्थित कार्यालयों के अधिकारी व कार्यालयाध्यक्ष, कर्मचारीगण, अग्निमशन सेवा दल के कर्मचारी, राष्ट्रीय आपदा मोचन दल के सदस्य उपस्थित रहें। ज्ञातव्य हो कि गृह मंत्रालय, भारत सरकार के आदेशानुसार देश के सभी जिलों में जिले की संवेदनशीलता के आधार पर जिला प्रशासन के सहयोग से संयुक्त मॉक एक्सरसाईज आयोजित किया जाना है। इसके अनुसरण में दीव में भी 17 मार्च, 2021 को यह मॉक एक्सरसाईज आयोजित किया जा रहा है।

बैठक में मॉक एक्सरसाईज की उपयोगिता और टेबल टॉप एक्सरसाईज पर ब्यौरेवार चर्चा हुई। NDRF के डिप्टी कमांडेंट द्वारा टेबल-टॉप एक्सरसाइज और मॉक एक्सरसाइज के संचालन के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इसका मुख्य उद्देश्य आपदा के दौरान सारी गतिविधियों को सक्रियता और समन्वय के साथ करना, प्रतिक्रिया समय (Response Time) को कम करना, विभिन्न हितधारकों के बीच संयुक्त आपदा प्रतिक्रिया को समन्वित करना, हितधारकों के पास उपलब्ध विशेषज्ञता, तकनीक और संसाधनों को साझा करना, आमजनता को जागरूक करना तथा भविष्य में काम आनेवाली क्षमता निर्माण की जरूरतों को चिन्हित करना है।

इस अवसर पर समाहर्ता, दीव ने कहा कि दीव भूकंपीय क्षेत्र-3 में आता है। इसको ध्यान में रखते हुए हमें हर समय प्राकृतिक आपदा से लड़ने के लिए तैयार रहना होगा। गत वर्षों में दीव को दो चक्रवातीय आपदाओं से सामना करना पड़ा था और आपकी मुस्तैदी और आमजनता के सहयोग से प्रशासन को इन आपदाओं से निपटने में सफलता मिली थी। उन्होंने कहा कि इस मॉक एक्सरसाईज का मुख्य प्रयोजन आपदा के दौरान हमें क्या-क्या जरूरी कदम उठाने हैं और इसे किस प्रकार प्रभावी ढंग से लागू करें जिससे कि कम से कम जान माल की हानि हो।

अतं में उप समाहर्ता, दीव ने सभी नोडल अधिकारियों को सौंपे गए कार्यों के बारे में चर्चा की और कहा कि मॉक एक्सरसाईज के माध्यम से यह जानकारी दी जाएगी कि उन्हें अपने कार्यों को किस प्रकार संपादित करना है जिससे कि प्रतिक्रिया समय (रिसपौंस टाइम) कम से कम हो। आपदा के समय नोडल अधिकारियों की ड्यूटी अत्यंत महत्व का होता है। अगर वे अपना काम सही समय और सक्रियता से करते हैं तो प्राकृतिक आपदा से आसानी से निपटा जा सकता है।